Code No. **29/1/2**
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 13 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

हिन्दी (वैकल्पिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7, 7

(क) चाँदनी की उँगलियाँ चंचल,
क्रोशिए से बुन रही थीं चपल
फेन-झालर बेल, मानो ।
पंक्तियों में टूटती-गिरती
चाँदनी में लौटती लहरें
बिजलियों-सी कौंधती लहरें
मछलियों-सी बिछल पड़ती तड़पती लहरें
बार-बार ।

अथवा

दावा करते हैं शब्द जिसे छू लेने का,
क्या कभी उसे तूने देखा या जाना है ?
तुतले कंपन उठते हैं जिस गहराई से,
अपने भीतर क्या कभी उसे पहचाना है ?

(ख) जा दिन ते छबि सों मुसुकान कहूँ, निरखे नंदलाल बिलासी ।
ता दिन ते मन-ही-मन में, मतिराम पियै मुसकानि सुधा-सी ।
नेकु निमेष न लागत नैन, चके चितवै तिय देव-तिया-सी ।
चंद-मुखी न चलै, न हिलै, निरबात निवास में दीप-सिखा-सी ।

अथवा

बंदौं गुरपद पदुम परागा । सुरुचि सुबास सरस अनुरागा ।।
अमिअ मूरिमय चूरनु चारू । समन सकल भवरुज परिवारू ।।
सुकृत संभु तन बिमल बिभूती । मंजुल मंगल मोद प्रसूती ।।
जन मन मंजु मुकुर मल हरनी । किएँ तिलकु गुनगन बसकरनी ।।
श्रीगुरपद नख मनिगन जोती । सुमिरत दिब्य दृष्टि हियँ होती ।।

2. (क) ''इस नील विषाद गगन में, सुख चपला-सा दुख-घन में'' काव्य-पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) ''एक पल में फिर जात हैं, जोगी काके मीत ।'' — काव्य-पंक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि 'जोगी काके मीत' में 'जोगी' किसके लिए कहा गया है । 3

3. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 5

भावना के कर्तव्य त्याग दिए,
हृदय के मंतव्य मार डाले !
बुद्धि का भाल ही फोड़ दिया,
तर्कों के हाथ उखाड़ दिए,
जम गए, जाम हुए, फँस गए,
अपने ही कीचड़ में धँस गए !!

अथवा

ससि-मुख, अंग मलयगिरि बासा। नागिन झाँपि लीन्ह चहुँ पासा ।।
ओनई घटा परी जग छाहाँ। ससि के सरन लीन्ह जनु राहाँ ।।

4. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' **अथवा** विद्यापति का संक्षिप्त जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं और काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 6

5. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6, 6

(क) काल इतना विशाल है और पृथ्वी इतनी विस्तृत है कि बड़े-बड़े सम्राटों की कीर्ति फीकी पड़ जाती है। जिनके जीवन और मरण के अवसर एक ही साँस में संसार को आनंद के कोलाहल और शोक के सन्नाटे से भर सकते हैं वे ही बड़े नहीं हैं, बड़े वे भी हैं, जिनका जीवन-दीप सूने में ही बुझ गया है, किन्तु जिनकी अमर ज्योति एक के पास से दूसरे के पास जाकर सबको आलोकित करेगी, धीरे ही धीरे सबके अनुभव में आएगी, सबको प्रकाश देगी।

(ख) व्यवस्था का एक चरित्र होता है कि वह जहाँ अपने बदलने का ख़तरा देखती है, सुरक्षा के लिए कवच बना लेती है और कवच के लिए उसी सामग्री का उपयोग करती है जो बदलाव करने वालों के हाथ में होती है ।

(ग) करने वाला इतिहास निर्माता होता है, सिर्फ़ सोचते रहने वाला इतिहास के भयंकर रथचक्र के नीचे पिस जाता है। इतिहास का रथ वह हाँकता है, जो सोचता है और सोचे को करता भी है।

6. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 50–60 शब्दों में होना चाहिए। 4, 4

(क) 'घुमक्कड़ी के लिए चिंताहीन होना आवश्यक है। दोनों का अन्योन्याश्रय होना दूषण नहीं, भूषण है।' – लेखक के इस कथन का आशय 'अथातो घुमक्कड़-जिज्ञासा' लेख के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मेरी जीवन यात्रा : दो चित्र' पाठ में कच्ची रोटियों को लेकर विजय बहादुर और लेखक दोनों को क्यों कोई शिकायत नहीं थी ? रोटियों के सम्बन्ध में उन दोनों के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'दिल्ली वालों की तरह हाशिए में टिके लोग दिल से महसूसना नहीं भूलते ।' – कथन का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि 'हाशिए में टिके लोग' से किनकी ओर संकेत किया गया है।

7. मिर्ज़ा ग़ालिब **अथवा** मुंशी प्रेमचंद के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए और उनकी भाषा-शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

8. (क) 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' की मुख्य समस्या पर प्रकाश डालते हुए लिखिए कि उपन्यासकार ने उसके समाधान के लिए क्या उपाय सुझाए हैं। 5

(ख) 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास के आधार पर दद्दा की **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर सुधा की किन्हीं चार चरित्रगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 4

9. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में दीजिए : 3, 3

(क) भाषा-शैली की दृष्टि से 'निर्मला' **अथवा** 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'देशकाल और वातावरण की दृष्टि से 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' एक सफल उपन्यास है।' – इस कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ग) 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

10. रामभक्ति-काव्य और कृष्णभक्ति-काव्य में मूलतः अंतर बताते हुए कृष्णभक्ति-काव्यधारा की किन्हीं चार प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

अथवा

भारतेन्दुकालीन काव्य की चार प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए इस काल के दो प्रसिद्ध कवियों के नाम लिखिए।

11. छायावाद को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' क्यों कहा जाता है ? छायावादी काव्य की चार प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख भी कीजिए। 5

अथवा

'नई कविता' की चार प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए 'नई कविता' के किन्हीं दो कवियों का नामोल्लेख कीजिए।

12. प्रेमचंदोत्तर युग की कहानी के विकास पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 5

अथवा

प्रसादोत्तर युग के नाटक-साहित्य के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

13. किसी **एक** विषय पर लगभग 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 15

(क) दिन-दिन बढ़ता प्रदूषण

(ख) कामकाजी नारी और उसका परिवार

(ग) भारत का प्राकृतिक सौंदर्य

(घ) जीवन-मूल्यों के विकास में साहित्यकार की भूमिका

(ङ) वरिष्ठ नागरिकों के प्रति हमारा उत्तरदायित्व